राजनांदगाँव। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य रैली में जन-जन को शिव अवतरण संदेश देते हुए ब्र.कु.बहनें

राजगड़ (ब्यावरा)। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित सवधर्म सम्मेलन मे अपने विचार रखते हुए हाज़ी हनिफ खान। मंचासिन है रशिद जमील खान, विधायक हेमराज कल्योनी, ओ.पी. शर्मा, शशि शर्मा, ब्र.कु.मधु बहन

पचोर। नगर पालिका अध्यक्ष पंडित अशोक शर्मा को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.वैशाली बहन

जानकी नगर। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य रैली में जन-जन को शिव अवतरण संदेश देते हुए ब्र.कु. भाई-बहने

इन्दौर (सुदामा नगर)। 'आध्यत्मिक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीपक जलाकर शुभारंभ करते हुए पार्षद निर्मला मोदी, समाज सेवी अमिता मिश्रा, ड़ॉ.उर्वि बरहानपुरकर, ब्र.कु.शशि एवं ब्र.कु.दामिनी

बालोद। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर चैतन्य झांकी एवं महासत्संग का अयोजन किया गया जिसका लाभ सैकडों श्रद्धालुओं ने लिया

नारी के सम्मान से ही साकार होगी श्रेष्ठ समाज की कल्पना

भिलाई। महिला दिवस के दिन अपने घर से ही हम अपने सम्मान की शुरुआत करें। पिता, पति, भाई और बेटे से कहें कि वे घर की माता, बहन और बेटियों का सम्मान करें। क्योंकि यही सम्मान कन्या भ्रूण हत्या को भी रोकने में कारगर साबित होगा।

उक्त वक्तव्य प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय तथा महिला प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के संयुक्त तत्वावधान में राजयोग भवन में 'नारी सम्मान से समाज उत्थान' विषय पर आयोजित संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में महापौर निर्मला यादव ने मुख्य अतिथि के रुप में व्यक्त किये।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रुप में ब्र.कु.माधुरी ने कहा कि नारियों के सम्मान से ही श्रेष्ठ समाज की कल्पना को साकार किया जा सकता है। श्रेष्ठ समाज के लिये शांति, पवित्रता और सम्पन्नता होना जरुरी है अर्थात् मन में शांति हो, विचारों में पवित्रता हो और संकल्पों में सम्पन्नता हो।

भिलाई सेवाकेन्द्र की मुख्य संचालिका ब्र.कु.आशा बहन ने कहा कि हम अपने आपको इतना भरपूर करें कि हमें किसी से माँगने की आवश्यकता ना पडे। इसके लिये हम सदा उस गुणों के सागर परमपिता परमात्मा के सानिध्य में रहें।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि हासिल करने वाली पांच महिलाओं का सम्मान किया गया, जिसमें प्रगति महिला सहकारी बैंक संचालिका स्मिता जोशी, डॉ. वासुमिता दत्ता डॉ.आरती दिवान,अमृता बारले,, राखी राय शामिल थे। ब्र.कु.युगरत्न ने बहुत सुंदर गीत प्रस्तुत किया। कुमारी यश और अंजली द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुति भी दी गई। मंच संचालन ब्र.कु.प्राची बहन द्वारा किया गया। कार्यक्रम का लाभ बड़ी संख्या में भिलाई की महिलाओं ने लिया। अंत में सभी को ईश्वरीय प्रसाद का वितरण भी किया गया।

क्या सुखी होना आपके हाथ में ?...

आप सुखी होंगे या दु:खी – यह फैसला कौन करता है? जवाब है – आप खुद!

एक टेलीविजन कार्यक्रम में एक टेलीविजन हस्ती के अतिथि के रूप में एक बुजुर्ग आदमी आया। वह बहुत दुर्लभ आदमी था। उसकी बातें पूरी तरह से बिना रिहर्सल की थीं और वह बिना तैयारी के बोल रहा था। उसका व्यक्तित्व खुशनुमा और प्रफुल्लित था और उसकी बातें उसके व्यक्तित्व से सहज रूप से बाहर निकल रही थीं। जब भी वह कुछ कहता था तो यह इतना सहज रूप से बाहर निकल रही थीं। जब भी वह कुछ कहता था तो यह इतना सहज, सटीक होता था कि कार्यक्रम देखने वाले लोग हँसी के मारे दोहरे हो रहे थे। वे उसे पसंद कर रहे थे। वे उसे पसंद कर रहे थे। टेलीविजन की हस्ती पर भी प्रभाव पड़ा और वह भी दूसरों के साथ उसकी बातों का आनन्द ले रहा था।

आखिर में उससे रहा नहीं गया और उसने उस बुजुर्ग आदमी से पूछ ही लिया कि वह इतना खुश क्यों है। उसने पूछा, ''आपकी खुशी का राज क्या है।''

यह बहुत साधारण सी बात लगती है और यह लग सकता है कि यह बुजुर्ग आदमी सतही बात कह रहा हो, परन्तु मुझे अब्राहम लिंकन की याद आ जाती है, जिन पर कोई भी सतही होने का आरोप नहीं लगा सकता। वे कहते थे कि लोग उतने ही खुश रहते हैं, जितने खुश रहने का विकल्प वे चुनते हैं। अगर आप दुखी रहना चाहते हैं तो आप बड़े आराम से दुखी रह सकते हैं। यह दुनिया का सबसे आसान काम है। सिर्फ दुखी रहने का विकल्प चुन लें। अपने आपसे कहते रहें कि हर तरफ बुरा हो रहा है। कोई काम ठीक तरह से नहीं हो रहा है तो आप सचमुच दुखी हो जायेंगे। परन्तु इसके बजाय खुद से कहें, ''हर चीज अच्छी तरह हो रही है। जिंदगी बहुत बढ़िया है। मैं सुखी रहने का विकल्प चुनता हूँ,'' और आप सचमुच सुखी हो जायेंगे।

''हर चीज अच्छी तरह हो रही है। जिंदगी बहुत बढ़िया है। मैं सुखी रहने का विकल्प चुनता हूँ,'' और आप सचमुच सुखी हो जायेंगे।

एक बार ट्रेन के सफर में एक पति-पत्नी अन्य लोगों के साथ सफर कर रहे थे। पत्नी मंहगे कपड़े और जेवरात पहने थी और फर और हीरे उनकी अमीरी की कहानी कह रहे थे। परन्तु वह अपने अपने आपसे दुखी लग रही थी। वह बार-बार तेज आवाज में शिकायत कर रही थी कि डिब्बे में गंदगी थी, सर्विस बहुत खराब थी और भोजन बिल्कुल घटिया था। वह हर चीज के बारे में शिकायत कर रही थी और हर चीज के बारे परेशान दिख रही थी।

दूसरी तरफ उसका पति खुशदिल और जिंदादिल इंसान था, जिसमें स्पष्ट रूप से यह क्षमता थी कि वह हर चीज में खुशी ढूंढ लेता था। मुझे लगा कि वह अपनी पत्नी के आलोचनात्मक रवैये पर थोड़ा लज्जित था और कुछ हद तक निराश भी, क्योंकि वह उसे खुश करने के लिए इस यात्रा पर ले जा रहा था। चर्चा बदलने के लिए उसने सफर कर रहे एक सज्जन से पूछा कि किस बिजनेस में हैं। इसके बाद उस पति ने भी बताया कि वह एक वकील है। फिर उसने व्यंग्यात्मक रूप से मुस्कराते हुए कहा -मेरी पत्नी मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस में है। उस सज्जन को हैरानी हुई क्योंकि उसकी पत्नी बिजनेसवुमैन या एक्जीक्यूटिव जैसी नहीं दिख रही थी। इसलिए मैने पूछा, 'वे किस चीज का निर्माण करती है?' पति ने कहा, दु:ख का। वे अपने दुखों का निर्माण करती हैं। उस पति यह टिप्पणी बहुत सारे लोगों के बारे में सही है, वे अपने खुद के दुख का निर्माण करते हैं। हमें सतत इस बार पर विचार करना चाहिए कि कैसे हर हाल में सुख को निर्मित करें।

सारंगपुर। महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए ब्र.कु.विजयलक्ष्मी। मंचासीन है विधायक गौतम टेटवाल, ललित पालीवाल, गुरुद्वारा अध्यक्ष सतविंदर सिंह बग्गा, बोहरा समाज प्रतिनिधि ज़ाकीर हुसैन

अम्बिकापुर। महाशिवरात्रि के अवसर पर 30 फिट उँचे शिवलिंग का उद्घाटन करते हुए नगर निगम सभापति त्रिलोक कपूर कुशवाह, महापौर दिपक मिंज, पार्षद प्रकाश राय, ब्र.कु.विद्या एवं अन्य